खलयुग का कोरस

नंगा नाचे, चोर बलैया लेय
भैया नंगा नाचे

थोथा मोटी खाल मढ़े दमदार दमामे
कूट रहा दोनों हाथों में मूसल थामे
झूठ प्रचारक अखबारों की कछनी काछे
नंगा नाचे, चोर बलैया लेय
भैया नंगा नाचे

लायक, फ़ायक, नायक डरकर अन्दर बैठे
लंठ, लफंगे, लुच्चे बाहर मूंछें ऐंठे
कूद रहे हैं, फ़ांद रहे हैं मार कुलांचे
नंगा नाचे, चोर बलैया लेय
भैया नंगा नाचे

बढ़ा-चढ़ाकर तुछगीरों की गाथा गावे
उच्च भलों पर कीच उछाले दोष लगावे
सांचे लगते झूठे, झूठे लगते सांचे
नंगा नाचे, चोर बलैया लेय
भैया नंगा नाचे

शाह बड़े हो तो तुम अपने घर के होगे
बहुमत का है राज अकेले क्या कर लोगे
सब ठग अपने मौसेरों के परखे-जांचे
नंगा नाचे, चोर बलैया लेय
भैया नंगा नाचे

फ़र्श रगड़ने वाले जा कुर्सी पर छाये
कुर्सी पर जो जमे हुए थे राख रमाये
राम बचाये इन महफ़िल के ढीले ढांचे
नंगा नाचे, चोर बलैया लेय
भैया नंगा नाचे

जुल्म सुना तो तुमने कानों उंगली कर ली
भ्रष्टाचार दिखा तो आंखों पट्टी धर ली
चुप्पी साधी, खुलकर खेली गुंडागर्दी
ओ! गांधी के तीनों बन्दर लाज-हया हो
लाल करो मुंह अपना-अपना मार तमाचे
नंगा नाचे, चोर बलैया लेय
भैया नंगा नाचे

-हरिवंश राय बच्चन

मेरे ख्याल से आपने भागकर अच्छा किया

आनंदप्रिय विजय माल्या जी,

आमतौर पर आदरणीय का प्रयोग होता है लेकिन आपके लिए आनंदप्रिय ठीक है। इसका कत्तई मतलब नहीं कि आप आदरणीय नहीं है। आपके कैलेंडर सराहनीय हो सकते हैं तो आप आदरणीय क्यों नहीं हो सकते हैं। आपने समाज में मनोरंजन और रसरंजन को प्रतिष्ठित किया है। आप हमारे मुल्क (भारत नहीं लिख रहा पता नहीं कब कौन सेडिशन लगवा दे) के उदास चेहरों के बीच खिलखिलाने का ब्रांड एंबेसडर हैं । जिसे देखिये वही दुखी है। आपको देखकर लगता था कि एक है जो सबसे सुखी है। इसलिए आपको आनंदप्रिय कहा है। लोकप्रिय तो बहुत मिल जाते हैं।

न्यूज़ चैनलों से पता चला कि आप भारत से भाग गए हैं। उन्हें पता था कि आप कबके परदेसी हो चुके हैं फिर भी वे दिन भर आपको पुकारते रहे। चैनलों को बता कर जाते तो वे भी आपके पीछे भागने आ जाते। इस मामले में ललित मोदी जी बेहतर हैं । कितने पत्रकारों को उनके पीछे भागने का मौका मिला। उस लिहाज़ से आपने भागने की क्रिया को बदनाम किया है । आप अकेले ही भागे ।

मेरे ख्याल से आपने भागकर अच्छा किया। आपने अपने पीछे रंगीन तस्वीरों की जो विरासत छोड़ी है उसके कारण आपकी कमी कभी नहीं खलेगी। हम क़र्ज़दारों को बैंकों ने कितना सताया है । मकान मिला नहीं लेकिन ई एम आई वसूले जा रहे हैं। बैंकों ने किसानों को कितना सताया है। आप गैंग आफ वासेपुर के फैज़ल हैं। आपने सबका बदला लिया है। मैं कहता भी था कि फैज़ल सबका बदला लेगा। आपने कुछ भी गलत नहीं किया। जब सारी दुनिया कर्ज़ लेकर ऐश कर रही है । मकान कार ख़रीद रही है तो आप क्यों न जहाज़ ख़रीदें । ऐश करें ।

आपने विदेश जाकर भागने की परंपरा को समृद्ध किया है। क्वात्रोकी और ललित मोदी के बाद बहुत दिनों से कोई भागा नहीं था। लग रहा था कि इस मुल्क में भागने वाले ही नहीं रहे। सरकार और संस्थाओं में ऐसे लोग अब भी हैं जो भागने वाले को जाने देते हैं। दाऊद को भगाने को लेकर इस देश के चैनलों पर पुराना फुटेज ही चलता रहता है। आप चले क्या गए चैनल आपकी हर तस्वीर पर मर मिटने लगे हैं। जब से मुझे पता चला कि आप चले गए हैं तब से मैं सबको समझा रहा हूँ कि भाई आपके लेवल का कोई थाना नहीं है इस देश में । ज़्यादातर थानों की लोकेशन बहुत ख़राब है ।आपने भाग कर आने वाले विदेशी निवेशकों का हौसला बढ़ाया है। मेरा मानना है कि आप भाग कर नहीं बल्कि चलकर गए हैं। पासपोर्ट वीजा सब दिखाते हुए। आपने जाने का नियम नहीं तोड़ा है । अगर कोई आपको पकड़ने के नियम का पालन न करें तो इसमें आपकी क्या ग़लती है । क्या आपके भागने पर कोई पाबंदी थी ? शायद नहीं। क्या पाबंदी लग सकती थी ? कैसे लगती। जब क्वात्रोकी ललित मोदी जा सकते हैं तो क्या आपका हक नहीं बनता। सोचिये आपको नहीं जाने दिया जाता तो कितनी ग़लत परंपरा बन जाती ।

विजय सर, किंगफिशर के उन कर्मचारियों की चिंता मत कीजिये जिनके टीडीएस का पैसा कट गया और अब आयकर विभाग उन्हे खोज रहा है। वे लोग कहीं भाग नहीं पा रहे हैं । बैंक वाले ग्रुप बनाकर कभी कर्नाटक भाग रहे हैं तो कभी सुप्रीम कोर्ट ।

आप हैं कि अकेले भागे । संसद में भी आपको लेकर भागा भागी हुई । आप भी ललित मोदी जी की तरह अपनी पार्टी का सीडी चैनलों को दे दीजिये । जिसमें कांग्रेस और बीजेपी के नेता भारत की ग़रीबी से तंग आकर आपके पास भाग आए हों। सुना है आपने पत्रकारों का भी खूब मनोरंजन कराया है। आपका ट्वीट पढ़ा कि आपने मीडिया के कई लोगों का आदर सत्कार किया है । काश मैं आपकी सूची में होता । आपके ललका जहाज़ की सीट के पाकेट से मैं लाल रंग वाला ईयर फोन ले आया था । हम तो उसी मे खुश थे ।

आप जहाँ भी हैं स्वस्थ रहें । आपको लेकर कांग्रेस बीजेपी के बीच बहस हो रही है । कोई असली बात नहीं बता रहा। दोनों बासी भात खाने खिलाने में माहिर हैं। एकाध एंकर भी लगे हुए हैं । ललित मोदी को नहीं ला सके तो आपको कैसे लायेंगे। इसलिए आप भागिये। भागना जितना ग्लैमरस हुआ है, उतना कभी नहीं हुआ। भागते भागते ललित जी से मुलाक़ात हो जाए तो नमस्कार कहियेगा। हम राजनीति के इस खेल को कभी नहीं जान पायेंगे। सब आपके पीछे भागेंगे और आप हमें पीछे छोड़ कहीं और के लिए भागेंगे ।

मेरी दुआ है कि आप कामयाब हों। आप इस देश के लाखों करोड़ों छोटे-मोटे कर्ज़दारों की उम्मीद हैं । आपकी सफलता उन्हें लोन न देने के लिए प्रेरित करेगी । लोन के जितने भी पैसे बचे हैं आप जमकर ख़र्च कीजिये। घूमिये फिरिये और नई तस्वीरें ट्वीट कर दीजिये। बाकी चैनलों की चिन्ता मत कीजिये । टीवी तो है ही ग़रीब विरोधी। अब वो आपका भी विरोधी हो गया है। आपने जिन उद्योगपतियों के नाम लिये हैं कि उन्होंने आपसे ज़्यादा कर्ज़ लिये हैं उन पर कांग्रेस बीजेपी और चैनल चुप ही रहेंगे। औकात नहीं है उनकी । सो डियर माल्या आप घूमिये फिरिये । टीवी मत देखिये । चिल् सर ।

आपका
नहीं भाग सकने वाला रवीश कुमार

गोला बने 2 नम्बर के मुंगेरी लाल

फ़रीदाबाद (म.मो.) नगर निगम चुनावों को लेकर वार्ड नं.11 से चुनावी मैदान में उतरने की तैयारी में है। विजेन्द्र गोला का जनता का सबसे बड़ा हितैषी होने का ड्रामा लगातार जारी है। जबकि विजेन्द्र गोला व इसका पूरे गुण्डा गिरोह के विरुद्ध शहर के विभिन्न थाने-चौकियों में शराब तस्करी से लेकर हत्या के प्रयास तक मामले दर्ज है। कई बार गोला गिरोह नीमका जेल की हवा तक खा चुका है। गोला भाइयों पर दर्ज कुछ मुकदमे इस प्रकार है। दिनांक 8-12-02 को भारतीय दण्ड संहिता की धारा 294 के अन्तर्गत मुकदमा नंम्बर 545, थाना कोतवाली। दिनांक 30-5-2 एक्साइज एक्ट की धारा 61-1-14 के अन्तर्गत मुकदमा नम्बर 282 थाना कोतवाली। दिनांक 18-3-8 को भारतीय दण्ड संहिता की धारा 394, 506, 34 के अन्तर्गत मुकदमा नम्बर 72 थाना कोतवाली। दिनांक 25-3-8 भारतीय दण्ड संहिता की धारा 418, 420, 467, 468, 471 के तहत मुकदमा नम्बर 78 थाना कोतवाली। दिनांक 23-3-8 भारतीय दण्ड संहिता की धारा 147, 149, 384 के तहत मुकदमा नम्बर 50 थाना एनआईटी दिनांक 13-3-8 भारतीय दण्ड संहिता की धारा 323,384, 385, 342, 506, 34 के तहत मुकदमा नम्बर 68 थाना कोतवाली। दिनांक 7-10-10 को भारतीय दण्ड संहिता की धारा 148,149,323, 506 के अन्तर्गत मुकदमा नम्बर 294 थाना कोतवाली। दिनांक 14-12-2000 को एक्साइज एक्ट की धारा 61-1-14 के तहत मुकदमा नम्बर 436 थाना कोतवाली। दिनांक 15-3-3 को एक्साइज एक्ट की धारा 61-1-14 के तहत मुकदमा नम्बर 200 थाना कोतवाली। दिनांक 25-1-6 भारतीय दण्ड संहिता की धारा 341,323, 382, 307,34 के तहत मुकदमा नम्बर 34 थाना कोतवाली। दिनांक 10-4-8 को भारतीय दण्ड संहिता की धारा 147,148,149,323, 452, 506,के अन्तर्गत मुकदमा नम्बर 91 थाना कोतवाली। दिनांक 7-10-10 को भारतीय दण्ड संहिता की धारा 148,149, 323,506 के तहत मुकदमा नम्बर 294 थाना कोतवाली के तहत दर्ज हैं।

शहर में होने वाले तमाम गोरखधंधों में गोला गिरोह की हिस्सा-पत्ती रहती है व शहर में ऑनलाइन कैसिनो का धंधा भी गोला गिरोह की देन है। जिसको लेकर कई स्कूली छात्र व युवाओं ने इनकी गिरफ़्त में फस कर आत्महत्या तक कर ली।

कब्ज़े की प्रोपर्टी खरीदना, बेचना व कब्ज़े करना गोला गिरोह का मुख्य धंधा रहा है। पाठकों को बता दें कि पिछले दिनों नगर निगम की शव यात्रा निकाल गोला व इसके नंगड़ साथियों ने जो ड्रामेबाज़ी करी वो भी किसी से छुपी नहीं है। दो नम्बर नागा बाबा कॉलोनी में गोला गिरोह ने जो धंधे चला रखे हैं वो भी सब भली-भांति जानते हैं। पिछले दिनों 2 नम्बर सी ब्लॉक सड़क का निर्माण कार्य शुरू होने पर गोला गिरोह ने सोशल मीडिया में प्रचार शुरू कर दिया कि ये निर्माण कार्य गोला ने करवाया बताकर अपनी पीठ खुद ही थपथपाने का ड्रामा किया। वार्डवासियों से पार्क निर्माण, सड़क, खड़ंजे बनने की वाहवाही लूटने का ड्रामा कर अपने आपको भावी पार्षद मान रहा है। जिसको लेकर वार्ड में गोला हंसी का पात्र बना हुआ है। व वार्डवासी गोला को मुंगेरी लाल कह कर बुलाने लग गए हैं। जबकि गोला गिरोह ने जो आतंक 2 नम्बर में मचाया है उसकी लिस्ट इतनी बड़ी हे कि उसके आगे ये सारी ड्रामेबाजी फीकी नज़र आती है।

घर बैठे प्राप्त करें मज़दूर मोर्चा

आज ही अपने हॉकर से कहें कोई दिक्कत हो तो शर्मा न्यूज एजेंसी से फोन नं 9811159238 पर बात करें। बल्लभगढ के पाठक अरोडा न्यूज एजेंसी से 9811477204 पर बात करें:

अन्य बिक्री केन्द्र :

1. **आनंद मैगजीन सैंटर केसी रोड, एनएच-5,**
2. **प्रिंट फोर्ट टेलीफोन एक्सचेंज के सामने नेहरू ग्राउंड,**
3. **रेलवे बुक स्टाल ओल्ड रेलवे स्टेशन,**
4. **रैंक, 45 नीलम चौक,**
5. **एनआईटी रेलवे स्टेशन के बाहर बाटा चौक पुल के नीचे,**
6. **राम खिलावन बल्लभगढ़ बस अड्डा पुलिस चौकी के सामने,**
7. **हितेश ग्रोवर सैक्टर 29 पेट्रोल पम्प के पास ।**
8. **जितेन्द्र, बाटा सैंटर - 9971064207**
9. **स्थानीय अदालतों में : चैम्बर नं. 56-एस.के .जोशी - वकील साहब**